Seventeenth Loksabha

>

Title: Need to redress the grivances of Scheduled Tribes of Porbandar Parliamentary Constituency, Gujrat-laid.

श्री रमेशभाई एल. धडुक (पोरबंदर): मैं सदन को बताना चाहता हूँ कि केन्द्र की सरकार माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में "सबका साथ, सबका विकास" के सूत्र को सार्थक करते हुए समाज के पिछड़े अनुसूचित जनजाति समाज के उत्कर्ष के लिए काफी अच्छा काम कर रही है। मेरे निर्वाचन क्षेत्र पोरबन्दर, गुजरात के गीर, बरडा और आलेच के जंगलों के नेस विस्तार के रबारी, भरवाड और चारण समाज को महामहिम राष्ट्रपति जी के 29,अक्टूबर, 1956 के नोटिफिकेशन के तहत अनुसूचित जनजाति वर्ग में शामिल किया गया। सन् 1993 में गुजरात सरकार द्वारा गठित मलकाण पंच ने नेस विस्तार में से स्थानांतरित हुए 17,551 परिवारों को आईडेन्टिफाइ किया था और माननीय श्री नरेन्द्र मोदी जी के गुजरात के मुख्यमंत्री के कार्यकाल में उनके प्रयासों से इस समुदायों को अपना हक मिला था और हाल ही में गुजरात के वर्तमान मुख्य मंत्री श्री विजय भाई रुपाणी जी ने भी इन समुदायों को लाभ देने के लिए कटिबद्ध हैं, लेकिन पिछले कुछ समय से इन समुदायों के लिए जाति प्रमाण पत्र जारी करना, गुजराती में से अंग्रेजी में अनुवाद करना और जाति प्रमाण पत्र की जाँच करने का कार्य स्थगित किया है और साथ ही नेस में निवास करने वाले लोगों को मसवाडी पास इश्यु नहीं किए जा रहे हैं, जिसकी वजह से इन समुदायों के लोगों को सरकारी योजना और सहायता का लाभ न मिलना, छात्रों को स्कॉलरशिप न मिलना, सरकारी नौकरी में नियुक्ति न मिलना जैसी गंभीर समस्याओं का सामना लंबे समय से करना पड़ रहा है। मेरी ओर से सरकार से गुजारिश है कि हाल में नेस में निवास करने वाले इन सभी परिवारों तथा आईडेन्टिफाइड हुए 17,551 परिवार जो वास्तविक लाभार्थी हैं, उनके संवैधानिक हकों को सुरक्षा प्रदान की जाए और इन सारी समस्याओं का हल जल्द से जल्द राज्य सरकार निकाले। मैं ऐसी प्रार्थना करता हूँ।